SHAKUNTALAM INSTITUTE OF TEACHERS EDUCATION

KIRHINDIH, KUMHAU STATION ROAD, SHIVSAGAR

COURSE NAME – B.Ed. 1st year

SESSION – 2021-2023

SUBJECT - Language across the Curriculum C-4

TOPIC NAME – UNIT-1 भाषा का अर्थ प्रकृति एवं महत्व

DATE - 27-01-21

भाषा सीखने की प्रक्रिया

1. - भाषा को अनुकरण द्वारा सीखा जाता है।
2. - भाषा के सीखने में ध्वनि, संकेतों को सुना तथा पहचाना जाता है। इन्हें अनुकरण करने का प्रयास किया जाता है।
3. - भाषा को अभ्यास तथा प्रशिक्षण द्वारा सीखते हैं।
4. - भाषा में चारों भाषायी कौशल का प्रयोग होता है।
5. - भाषा सीखने में कौशलों का विकास किया जाता है और सीखने के बाद चयन की योग्यता विकसित की जाती है।
6. - भाषा की शक्ति एवं क्षमताओं का विकास क्रमानुसार होता है।

भाषा सीखने की प्रक्रिया

- उच्चारण करना (उच्चरित भाषा) तथा
- लेखन करना (लिखित भाषा)।

लिखित भाषा – लिखना और ~~सुनना~~ पढ़ना
- लिखना → अभिव्यक्ति पक्ष
- पढ़ना → ग्रहण पक्ष

उच्चरित भाषा – बोलना और सुनना
- बोलना → अभिव्यक्ति पक्ष
- सुनना → ग्रहण पक्ष

भाषा के मुख्य दो पक्ष

I. प्रतिकात्मक पक्ष

प्रतिकात्मक का संबंध शारीरिक अवयवों की क्रियाओं से होता है।

Ex. बोलने, पढ़ने, लिखने तथा सुनने से होता है।

- यह भाषा का |भौतिक आधार| माना जाता है।
- भाषा में शारीरिक अंग क्रियाशील होते हैं।
- शारीरिक रचना से ध्वनियाँ उत्पन्न होती हैं।

II. भावात्मक पक्ष

- मानसिक क्रियाओं का सम्बन्ध, विचारों, भावों, तथा संवेगो की अभिव्यक्ति से होता है यह भाषा का मानसिक आधार होता है।
- चेतना पक्ष, ज्ञान पक्ष और प्रेरणा-पक्ष मन के व्यापार हैं।
- मन शारीरिक शक्ति पर दबाव डालता है जिससे शारीरिक अवयव क्रियाशील होकर ध्वनियों को उत्पन्न करते हैं जिससे भावों एवं विचारों की अभिव्यक्ति होती है।
- अनुभूतियों की अभिव्यक्ति मूक भाषा (हाव-भाव) से की जाती है।
- और मानसिक रचना से भाव, विचार तथा संवेग उत्पन्न होते हैं।

भाषा का आधार

① भौतिक आधार ② मनोवैज्ञानिक या मानसिक आधार

③ सामाजिक आधार ④ सांस्कृतिक आधार।

① भौतिक आधार

- भाषा के दो प्रमुख तत्व है - I. ध्वनि एवं II. अभिव्यक्ति
- मुख के अंगो की सहायता से ध्वनियाँ उत्पन्न होती है।
- भाषा ध्वनि संकेतो का समूह है।
- भाषा के उद्‌भव और विकास का श्रेय मनुष्य की विशिष्ट शारीरिक एवं मानसिक संरचना को है।
- शारीरिक रचना से ध्वनियाँ उत्पन्न एवं विचारों की अभिव्यक्ति की जाती है जिसे भाषा कहते है।

② मनोवैज्ञानिक आधार

- भावों एवं विचारों का सम्बन्ध मानसिक योग्यता एवं प्रक्रिया से है।
- भावों एवं विचारों का आदान-प्रदान का माध्यम भाषा है जिसका संबंध मनोदशा से होता है।
- मन में उत्पन्न क्रिया तथा प्रतिक्रिया ध्वनियों के रूप में ~~प्रकट~~ प्रगट होती है तभी भाषा का जन्म होता है।
- भाषा - उत्तेजना - प्रतिक्रिया - ध्वनियों की एक श्रृंखला है।
- वाणी के माध्यम से मानसिक प्रत्ययों को दूसरे व्यक्तियों के मानसिक स्तर तक पहुँचाते हैं मानसिक उत्तेजना प्रभावपूर्ण - प्रतिक्रिया 'से ध्वनियों के माध्यम से भावों एवं विचारों का सम्प्रेषण होता है।
- मनुष्य के शब्दों से उसके व्यक्तित्व एवं मानसिक स्तर का बोध होता है।

③ सामाजिक आधार

- भाषा एक सामाजिक क्रिया है क्योंकि सभी सामाजिक कार्यों तथा गतिविधियों में भाषा का ही उपयोग होता है।
- मानवीय संबंधो का आधार भाषा ही होता है।
- अपनी क्षेत्रीय भाषा के व्यक्तियों से अपनापन का अनुभव करते है।
- सामाजिक रचना तथा समाज में विचार-विनिमय की आवश्यकता ने भाषा को जन्म दिया है।

④ सांस्कृतिक आधार

- भाषा का परिष्कृत संस्कृति पर आधारित होती है।
- संस्कृति एवं भाषा से समान प्रेम होता है
- सांकृतिक विकास और अवनति उसकी भाषा और साहित्य के विकास एवं अवनती के साथ होती है।
- भाषा वास्तव में सांस्कृतिक तत्व है।
- सामाजिक कार्यो एवं गतिविधियों से ही संस्कृति का निर्माण होता है।
- समाज का सदस्य क्या कहता है? और क्या करता है? इसमें कर्ता पक्ष संस्कृति का परिचायक होता है।
- भाषा सम्पूर्ण संस्कृति के आचरण का आधार है।
- भाषा ही समुदाय के निर्माण का मूल आधार है।
- भाषा से संस्कृति की अभिव्यक्ति होती है।